प्रेस विज्ञप्ति

17.12.2024

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), अहमदाबाद आंचलिक कार्यालय ने 10.12.2024 और 12.12.2024 को दिल्ली, मुंबई और पुणे में 21 स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत तलाशी अभियान चलाया है। यह तलाशी अभियान **"मैजिकविन"** के मामले में चल रही जांच का हिस्सा है, जो क्रिकेट पुरुष टी20 विश्व कप मैचों के अवैध प्रसारण और विभिन्न ऑनलाइन सट्टेबाजी गतिविधियों में शामिल था। तलाशी अभियान के दौरान, बैंक के 30 लाख रुपये (लगभग) के फंड को फ्रीज कर दिया गया और कई अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए।

ईडी ने साइबर क्राइम पुलिस, अहमदाबाद द्वारा मैजिकविन और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की।

ईडी की जांच से पता चला कि मैजिकविन एक सट्टेबाजी वेबसाइट है जो गेमिंग के वेष में है और वास्तव में पाकिस्तानी नागरिकों के स्वामित्व में है। इस वेबसाइट का संचालन ज्यादातर दुबई में काम करने वाले या बसे भारतीय नागरिकों द्वारा किया जाता है। यह भी पता चला है कि वेबसाइट पर दिखाए जा रहे सट्टेबाजी के खेल मूल रूप से फिलीपींस और अन्य देशों में खेले जाते हैं जो सट्टेबाजी गतिविधियों की अनुमति देते हैं। हालाँकि, मूल खेलों के एपीआई की नकल करके मैजिकविन वेबसाइट पर इसे फिर से प्रसारित किया जाता है। हालाँकि, सट्टेबाजी की गतिविधियाँ जैसे जमा, सट्टा लगाना और निकासी मैजिकविन के मालिकों द्वारा नियंत्रित की जाती हैं।

ईडी की जांच के दौरान, यह पता चला है कि मैजिकविन वेबसाइट पर दर्शाए गए बैंक खातों में खिलाड़ियों/दांव लगाने वालों द्वारा जमा किए गए पैसे को शेल/म्यूल बैंक खातों की विभिन्न परतों के माध्यम से डायवर्ट किया गया था और इसके अलावा मालिकों के लाभ वाले हिस्से को क्रिप्टो परिसंपत्तियों में निवेश किया गया था या नकद में निकाला गया था या हवाला चैनलों के माध्यम से दुबई भेजा गया था। इसके अलावा, खिलाड़ियों/दांव लगाने वालों की जीत की राशि भुगतान गेटवे/एग्रीगेटर्स के साथ बनाए गए विभिन्न शेल कंपनियों के मर्चेंट खातों के माध्यम से उनके संबंधित बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी जाती है। जीतने वाली राशि को डोमेस्टिक मनी ट्रांसफर (डीएमटी) के माध्यम से भी खिलाड़ी के बैंक खाते में स्थानांतरित किया जाता है।

जांच के दौरान यह भी पता चला है कि मैजिकविन ने भारत में एक लॉन्च पार्टी आयोजित की थी, जिसमें कई बी-टाउन हस्तियां शामिल हुईं और मैजिकविन का समर्थन किया। इन हस्तियों ने मैजिकविन के विज्ञापन के लिए वीडियो और फोटोशूट भी किए और इसके प्रचार के लिए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए। गुजरात और महाराष्ट्र सहित भारत के विभिन्न हिस्सों में होर्डिंग्स आउट ऑफ होम (ओओएस) के माध्यम से भी विज्ञापन किए गए। जांच से पता चला है कि इन सट्टेबाजी वेबसाइट द्वारा अर्जित लाभ खिलाड़ियों द्वारा की गई कुल जमा राशि का 50% से अधिक है। ईडी, अहमदाबाद ने इस मामले में अब तक 68 तलाशी ली हैं और विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस जब्त किए हैं। इस मामले में अब तक कुल जब्ती/फ्रीजिंग 3.55 करोड़ रुपये (लगभग) है।

आगे की जांच प्रक्रियाधीन है।